





Centre of Excellence

GOVERNMENT COLLEGE SANJAULI SHIMLA-06, H.P.

{NATIONAL SERVICE SCHEME}

A Report

> Adopted Village

Venue: Dummi

- "Bridging Gaps: NSS Unit's analysis of village challenges and needs."
- NSS unit conducted a survey on awareness about govt. schemes and highlighting the problem in their adopted village.









Venue: Sanhog

• Our volunteers educated students at Govt. High School Sanhog Uparla about cyber security and distributed 100 informative pamphlets to help them stay safe online."

And raised the quote "Hume Jaankari hai hum Surakshit hain"





Plantation Drive:

• NSS volunteers and college staff joined hands to plant 200 trees at adopted village Chamyana under the "Meri Mati Mera Desh" initiative. With collective effort, they dug holes, planted saplings, and nurtured them with care. This eco-friendly endeavor aimed to

promote greenery, reduce carbon footprint, and foster community development. The initiative strengthened the bond between the college and the village, inspiring a sense of social responsibility and environmental stewardship among the participants.







News Himachal



9 August 2023



महाविद्यालय संजौली की एनएसएस इकाई द्वारा किया गया इसी महीने में दूसरी बार पौधारोपण।



उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजौली की एनएसएस इकाई द्वारा आज चम्याना गाँव में पीधारीयण किया गया। संजीली के प्राचार्य हों पूर्पेद सिंह ठाकुर तथा हाँ राम लाल ठाकुर जी भी उपस्थित रहे। एनएसएस इकाई के कुल 60 स्वयंसेविओं ने इस पीधारीयण कार्यक्रम में भाग लिया। आज के दिन 250 पीधों का रोपण किया गया। पिछले सप्ताह इकाई द्वारा महाविद्यालय के होस्टल में पीधारीयण किया गया। था। जिससे 30 स्वयंसेविओं ने भाग लिया था तथा पीधे लगाए थे।

वृक्षारोपण के बुनियादी लाभों में से एक यह है कि वे जीवन देने वाली ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और जानवरों द्वारा छोड़ी गई कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं। हालांकि पेड़ न सिर्फ हमें ऑक्सीजन देते हैं बल्कि फल, लकड़ी, फाइबर, रबर आदि और भी बहुत कुछ प्रदान करते हैं। पेड़ पशुओं और पक्षियों के लिए आक्ष्य का भी काम करते हैं। येड़ पशुओं और महत्त्व तथा इस से मिलने वाले लाग से अवगत करताया। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग की

समस्या से जूझ रही है और ऐसी समस्या से उभरने के लिए पेड़ लगाना आज सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक बन गया है। बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने तथा घटती हुई वर्षा ऋतु की समयावधि को बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण रामबाण उपाय है। वृक्षारोपण के जिएर अनावृष्टि (सूखा) और जरूरत से कम वर्षा जैसी समस्याओं से निपटा जा सकता है।

उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र उजकीय महाविद्यालय संजीली के प्राचार्य महोदय डॉ भूपेंद्र सिंह ठाकुर ने सभी स्वयंसेवियों की सराहना की तथा वन विभाग के सभी उपस्थित फॉस्टर गार्ड और कर्मचारियों का धन्यवाह किया। इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास नाथम और कामायनी बिष्ट ने भी हमारे इस प्रकृति संस्क्षण की और इस कदम में सहयोग दिया। प्राचार्य ने हम सभी को यही प्रेरणा दी की हम आगी विद्या हमारा विद्या हमारा हम सहयोग हमारा हमार

माईनेट डिजिटल समाचार



महाविद्यालय संजौली के एनएसएस स्वयंसेवियों ने "मेरी माटी मेरा देश"अभियान में दिया योगदान

शिमला, अवन्तिका पामटा। उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजीली की एनएसएस इकाई द्वारा आज यम्याना गाँव मे पीधारोपण किया गया। संजीली के प्राथायें डी भूपेंद्र सिंह ठाकुर तथा प्रोफेसर डी राम लाल ठाकुर जी भी उपस्थित रहे। एनएसएस इकाई के कुल 60 तथांसीवियों ने इस पीधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। आज के दिन 200 पीधों का रोपण किया गया। स्वयंसीवियों ने वन विभाग के अधिकारियों सहित "सुराला वन क्षेत्र" (एन्याना) में पीधारोपण किया। इस से पहले पिछले सत्याह इकाई द्वारा महाविद्यालय के होस्टल में पीधारोपण किया गया। शा किसमें 20 स्वयंसीवियों ने भाग लिया था। वासमें 20 स्वयंसीवियों ने भाग लिया था वाधा पीधे लगाए थे। वृक्षारोपण के बुत्तायादी लाभों में से एक यह है कि वे जीवन देने वाली ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। और जानवरों द्वारा छोड़ी गई कार्बन डाइऑक्साइड को उवशोषित करते हैं। हम लिये उन सिर्फ हमें ऑक्सीजन देते हैं बिल्क फल, लकड़ी, फाइबर, रबर आदि और भी बहुत कुछ प्रदान करते हैं। पेड़ पशुओं और पिदायों के लिए आश्रय कार्मिंग की समस्या से अवगत करवाया। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पूरी दुनिया ग्लोबल वार्जिंग की समस्या से अस्थात करवाया। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पूरी दुनिया ग्लोबल वार्जिंग की समस्या के जार के लिए वृक्षारोपण रामबाण उपाय है। वृक्षारोपण के ति एवं विपायण रामबाण उपाय है। वृक्षारोपण के ति एवं विपायण रामबाण उपाय है। वृक्षारोपण के तीर कर्मवाया विपाय के समयाविय आवार्य हो वृक्षारोपण के सी समयाविय जो समस्याविय जो सरहना की तथा वन विभाग के सभी उपस्थित कार्यकारी महाविद्यालय संजीली के प्रयादा देश हो हो उत्तर हो हो हो हो उत्तर हो हो सह हो हो सम्याविया का ध्वारा विचार के कार्यक्रम अधिकारी डी विकास नाथन और डेंक्टर कामायनी बिल्ट ने भी हमारे इस प्रकृति संरक्षण की ओर इस कर्यन में सहस्योग दिवा। प्राणाई के हम सभी वारी प्रेणणा दी की हम आगे भी इसी तरह कार्य के सहस्योग दिवा। प्राणाई कर हम अपने में हमी दिवा कार्य कार्य की सरहाण की सरहाण की सरहाण की सरहाण की स्वार्य से सहस्योग दिवा। प्राणाई के हम स्वत्र में सहस्योग दिवा। प्राणा वे हम सम्यावी के सरहाण की सरहाण की









- •Volunteers visited our Adopted village Chamyana and started the plantation week.
- •Huge fire outbreaks have also affected the village. Volunteers visited the affected area and planted 100 trees in order to restore the glory it once holds and to compensate the damage.







Venue: Banedi

- Volunteers visited Banedi village and launched the Campaign "Ek Ped Maa Ke Naam".
- Under this campaign volunteers planted each tree as a tribute to their mother, and planted 150 trees.
- Children of Govt. Primary School Banedi also participated in this campaign and with the help of volunteers planted trees to give tribute to their mothers as well as mother Earth.
- •Volunteers continued the "Ek Ped Maa Ke Naam"

 Campaign and again planted 50 trees in Banedi village.







COMMUNITY FEEDBACK

This report emphasised on one of the targets of NSS to foster community participation and create social awareness. The NSS Unit of Govt. College Sanjauli conducted a comprehensive survey during this session (20224-25) in our adopted village Dummi, Shimla. The purpose of the survey was to assess the activities conducted by NSS Unit in the village and to identify from the community the feedback on key issues, which are related to awareness on government schemes and overall development of the village.

The Survey focus on following areas:

- 1. Community contribution by NSS
- 2. Awareness of Govt. Schemes
- 3. Expectation from NSS Unit in the future

In this survey more than 30 people of the village gave their feedback about the NSS Unit and their programmes. Also, people discussed the major problems in their village. The feedback collected from the survey highlights the positive impact of the NSS Unit has had on the village's social development. However, there is still work to be done in terms of enhancing the villagers' understanding and access to government welfare programmes. The feedback provided will help shape future initiatives that NSS pursues.

































